दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 02 अंक :- 322 मुरादाबाद, 24 March 2023 (Friday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

चंद्रघण्टा

पिण्डज प्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते महयं चंद्रघण्टेति विश्रुता।।

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघण्टा है। नवरात्र उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन व आराधना की जाती है। इनका स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके मस्तक में घण्टे के आकार का अर्धचन्द्र है। इसी कारण इस देवी का नाम चंद्रघण्टा पड़ा। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। इनका वाहन सिंह है। हमें चाहिए कि हम मन, वचन, कर्म एवं शरीर से शुद्ध होकर विधि-विधान के अनुसार, मां चंद्रघ.टा की शरण लेकर उनकी उपासना व आराधना में तत्पर हों। इनकी उपासना से हम समस्त सांसारिक कष्टों से छूटकर सहज ही परमपद के अधिकारी बन सकते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

सीएम योगी ने वितरित किए नियुक्ति पत्र: बोले, छह वर्षों में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को दी नौकरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज युवाओं को प्रदेश में रोजगार मिल रहा है। प्रदेश का माहौल बदल रहा है। पहले लोग सोचते थे कि क्या यूपी कभी सुधर पाएगा पर छह साल बाद प्रदेश की बदली हुई तस्वीर सामने है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ पिछले छह वर्षों में साढ़े पांच लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी है। मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना से उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में 43 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। प्रदेश में एक तरफ जहां शासकीय सेवाओं में नियुक्ति प्रक्रिया चलाई जा रही है, वहीं दूसरी तरफ निजी क्षेत्र में भी नौजवानों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन रोजगार युवाओं के सपने को उड़ान देने वाला है। सीएम योगी गुरुवार को लोकभवन में आयोजित लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के नवचयनित अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं ई-अधियाचन पोर्टल का उद्धघाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने लगभग 500 नवचयनित युवा अधिकारियों को नवरात्रि के शुभ अवसर पर नियुक्ति पत्र मिलने पर राज्य शासन की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश ने एक नई छलांग लगाई है। छह वर्ष पहले इन्हीं नौजवानों के सामने पहचान का संकट था। अब इन युवाओं को देश के किसी भी राज्य में अपने राज्य के बारे में बताने से कोई हिचक नहीं होती।

सीएम योगी ने कहा कि ये वही राज्य है जहां विकास के कार्यों में माफिया हावी होते थे। नियुक्ति और ट्रांसफर प्रक्रिया ताश के पत्तों की तरह फेंटी जाती थी। ये वही प्रदेश है जहां हर तीसरे दिन दंगा होता था। निवेश नहीं आता था। निवेशक अपने संस्थान बंद करके जाने लगे थे। कोई नहीं मानता था कि उत्तर प्रदेश कभी सुधरेगा, लेकिन आज तस्वीर बदली है। अब गांव और शहर हर क्षेत्र में बदलाव देखने को मिल रहा है।

युवा शक्ति जो पलायन करने पर मजबूर थी,आज जब उन्हें अपने प्रदेश में सम्मान मिल रहा है तो बदली हुई तस्वीर हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले छह वर्षों में हमारी सरकार ने एक करोड़ 61 लाख से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने में सफल रही है। 60 लाख से ज्यादा युवा उद्यमियों को अपना स्टार्टअप,अपना काम शुरु करने के लिए सहायता प्रदान की गई है।

आज वो बहुत अच्छे ढंग से अपना कार्य कर रहे हैं। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से सरकार की अपेक्षा के बारे में बताते हुए कहा कि इसका ध्यान रखें कि जनता को आप के कार्यों का लाभ मिले। हमको जनसुनवाई के लिए तैयार होना होगा। सरकारी सेवा के आने वाले दस वर्ष आपके कार्यों का आधार साबित होंगे। इन वर्षों में आप अपना व्यवहार जन भावनाओं के अनुरूप बनाएंगे तो सरकारी सेवा का भवन उतना ही मजबूत होगा।

राहुल गांधी दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा, तुरंत जमानत भी मिली

भाजपा विधायक व गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने मोदी उपनाम के खिलाफ गलत टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय का मान घटाया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में आज सूरत की अदालत ने फैसला सुना दिया। कोर्ट ने राहुल गांधी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें दो साल की जेल की सजा सुनाई। हालांकि, मामले में उन्हें तुरंत ही जमानत भी मिल गई। सजा का एलान होने के बाद राहुल गांधी ने ट्विटर पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।

याचिका दायर करने वाले पूर्णेश मोदी का बयान भी आया

दूसरी तरफ राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले में मानहानि का केस दायर करने वाले पूर्णेश मोदी ने बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया है और यह एक अहम फैसला है।

रअसल, राहुल पर मोदी उपनाम पर टिप्पणी करने के लिए आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज था। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, पार्टी विधायक दल के नेता अमित चावड़ा, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा और विधायक सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आने के बाद से ही सूरत में मौजूद हैं।

क्या है मामला, जिसमें राहुल की पेशी होगी?

2019 लोकसभा चुनाव के लिए कर्नाटक के कोलार में एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था, कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक व गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय का मान घटाया है। वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में इस मामले से जुड़ी टिप्पणी की थी।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने पिछले शुक्रवार को दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च की तारीख तय की। राहुल इस मामले की सुनवाई के दौरान तीन बार अदालत में पेश हुए। अक्तूबर 2021 में बयान दर्ज कराने के लिए अदालत पहुंचे राहुल ने खुद को निर्दोष बताया था।

सजा के एलान के बाद राहुल गांधी का आया बयान, विपक्ष बिफरा

राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की बात को कोट करते हुए लिखा, मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले पर गुरुवार को सूरत की एक कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने उन्हें मामले में दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई है। हालांकि, मामले में उन्हें तुरंत ही जमानत भी मिल गई। वहीं मामले पर राहुल और अन्य विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की बात को कोट करते हुए लिखा, मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा उसे पाने का साधन।

कानून और न्याय पर भरोसा, उसके अनुसार लड़ेंगे: मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय मल्लिकार्जुन खरगे ने अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें जमानत मिल गई है। हम शुरू से जानते हैं कि वे जज बदलते रहे। हम कानून और न्यायपालिका में भरोसा रखते हैं और हम कानून के मुताबिक इसके खिलाफ लड़ेंगे।

दबाव में न्यायपालिका, राहुल साहसी व्यक्ति: अशोक गहलोत, राजस्थान के मुख्यमंत्री

वहीं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, हम कहते रहे हैं कि हमारा लोकतंत्र खतरे में है, क्योंकि न्यायपालिका, चुनाव आयोग, ईडी पर दबाव है और उन सभी का दुरुपयोग किया जा रहा है। सभी फैसले प्रभाव में लिए जाते हैं। इस तरह की टिप्पणियां आम हैं..राहुल गांधी एक साहसी व्यक्ति हैं और केवल वही एनडीए अदालत का सम्मान करते हैं, लेकिन फैसले से सहमत नहीं-

अरविंद केजरीवाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, गैर बीजेपी नेताओं और पार्टियों पर मुकदमे करके उन्हें खत्म करने की साजिश हो रही है। हमारे कांग्रेस से मतभेद हैं, मगर राहुल गांधी को इस तरह मानहानि मुकदमे में फंसाना ठीक नहीं। जनता और विपक्ष का काम है सवाल पूछना। हम अदालत का सम्मान करते हैं, पर इस निर्णय से असहमत हैं।

राहुल ने अपना फर्ज निभाया, सजा को हंसते-हंसते गले लगाया- श्रीनिवास बीवी, भारतीय युवा कांग्रेस

भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के प्रमुख श्रीनिवास बीवी ने अपने ट्वीट में कहा, अदालत से माफी की जगह, सजा को हंसते हंसते गले लगाया, राहुल गांधी ने अपना फर्ज निभाया..तानाशाह के खिलाफ जंग जारी है...इंकलाब जिंदाबाद।

देश को बर्बाद होने से रोकने की लड़ाई आसान नहीं- पवन खेड़ा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, इस खूबसूरत देश को बर्बाद होने से रोकने की लड़ाई आसान नहीं है। यह ना कल शुरू हुई है और ना ही कल खत्म हो जाएगी। जॉन एलिया कहते हैं'ये तो बस सर ही मांगता है मियां, इश्क पर कर्बला का साया है' राहुल गांधी को हिंदुस्तान से इश्क है। वो सवाल उठाता रहेगा।

अदाणी मामले से ध्यान हटाना चाहते हैं- जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

वहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, डिस्टोर्ट, डिफेम, डाइवर्ट-थ्रीडी। ये मैं प्रधानमंत्री की भाषा इस्तेमाल कर रहा हूं। उन्होंने राहुल गांधी के बयानों को डिस्टोर्ट (तोड़-मरोड़कर पेश करना) किया। उन्हें डिफेम (बदनाम करना) करने की कोशिश की और अब अडानी के मामले से डायवर्ट (ध्यान भटकाना) करना चाहते हैं।

तानाशाही के खिलाफ आवाज उठा रहे राहुल गांधी- रेवंत रेड्डी, कांग्रेस सांसद

कांग्रेस सांसद रेवंत रेड्डी ने कहा, राहुल गांधी तानाशाही के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। उनके पास यह कहने का साहस है कि जो गलत है वह गलत है। अत्याचारी इस साहस से घबराया हुआ है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे।

संपादकीय Editorial

Earthquake in nine countries

An earthquake shook nine countries including India. However, the epicenter of the earthquake was in the mountainous region of Hindukush, southeast of Afghanistan, 133 km from Faizabad. The depth of the earthquake was considerable, as a result of which widespread vibrations were felt.

The intensity of the earthquake is said to be 6.6, but it can be more in different areas of countries like China, Pakistan, Tajikistan, Kyrgyzstan, Turkmenistan, Uzbekistan and Kazakhstan. For the first time, an earthquake of such intensity and duration has been felt in the capital of India, Delhi. The sudden tremors of the earthquake were felt around 10.20 pm, when the floor of the house started shaking, the bed started shaking and the switched off fan also started swaying.

Frightened and distraught people left their homes and came out in the open. Apart from Delhi, the earth shook in about a dozen states due to the earthquake. Earthquake seems scary and destructive because people live in multi-storey buildings in Delhi, Noida, Gurugram etc. The population density is high and people have to live a cramped life. Imagine if earthquake tremors start and people have to come down from 20th, 22nd, 15th floor through stairs to come to the open ground, then everything is Ram-Bharosa. In such a time, an earthquake can raze buildings to the ground.

However, earthquakes have now become an important part of our lives. They are recurring more and more often. The areas situated on the banks of river Yamuna in Delhi are very sensitive to earthquakes. However, this is not the first time that Afghanistan is the epicenter of an earthquake and the states of northern India begin to tremble. In 2015, when a devastating 7.5-magnitude earthquake hit Nepal, about six months after that, tremors were felt in northern India as well. Those tremors of the earthquake came almost in this part of Afghanistan. Almost the same happened in January 2018 as well. In all these contexts, the earthquake was measured to be more than 150 kilometers deep inside the earth. According to seismologists, the tremors were felt for a long time because the Indo-Australian Plate is colliding with the Eurasian Plate. The Hindukush region is very sensitive from the point of view of earthquakes. Since the epicenter of the earthquake was about 1000 km away from the capital Delhi and the depth of the earthquake was also high, the tremors were felt far and wide.

In such situations the chances of loss are less. However, people living in multi-storey buildings felt more tremors and those living in lower heights felt mild tremors. Earthquakes are uncertain even in the 21st century. None of these can be predicted. However, earthquake sensitive areas can be classified as to where earthquakes can be more likely.

However, such research is going on at the level of IITs and other scientific institutions, through which definite information about earthquakes can be given. How accurate this information will be can only be based on the concrete findings of the research. Now the world has seen and felt the earthquakes of Turkey.

Turkey is a country situated on the pile of earthquakes, so the earth shakes there again and again and destruction takes place. The way the tremors were felt one after the other in Turkey, it was not the case in the current earthquake. The basic concern is that research should be done at many levels, so that the uncertainty of earthquake can be eliminated.

No offense in communication

The Niira Radia episode, which shocked the country's politics, ruling establishment, industry and media about twelve years ago, is now again in the news. The CBI on Wednesday told the Supreme Court that no offense has been found in its probe into recorded conversations of former corporate lobbyist Niira Radia with several politicians, industrialists and government officials. It is also interesting that the inquiry report was submitted in the year 2015 itself. If the result of the submitted report has come to know now, it simply means that not much interest has been taken in this 'high profile' case in the past years. Usually in such cases it is difficult to prove anything. Mutual communication, coordination for any benefit and trying to get decisions according to your own can not be said in the category of any crime. Innumerable people are involved in every decision, every decision can be right for someone and unfavorable for someone. Therefore, it is not surprising if the CBI has not found evidence of any crime in the Niira Radia case. However, the court hearing in the Niira Radia case will start from October, so before that the CBI will probably need to file another status report. Actually, this whole matter has arisen due to a petition filed by famous industrialist Ratan Tata. Some tapes were leaked in the year 2010 and Ratan Tata demanded an inquiry into the audio tape leak, calling the leak a violation of his right to privacy. In addition, the Center for Public Interest Litigation, an NGO, also pressed for an investigation into the tapes and demanded that the tapes be made public. Mind you, the number of taped dialogues is 5,800. It is also interesting that these tapings were being done for surveillance or investigation of tax evasion. The matter of tax evasion became small, the interaction between the upper class people came to the fore prominently. It is also a matter of note that more than 13-14 years have passed since these interactions. The Supreme Court came to know about how corporate lobbyists and dignitaries talk to each other in the country in the year 2013 itself and those conversations among the people were also in headlines, but now it is not easy to find sources of crime in them. . Meaning, in the absence of evidence, it is up to the court to proceed with the case. The Supreme Court, while ordering a CBI probe in 2013, had pointed out the collusion between the lords or influential sections of the country, but later lost seriousness. Well, many things happen in and around the ruling class in our country, which should not happen, but there is a great lack of measures and means to stop these things. People have not forgotten, about thirty years ago the Vohra Committee report was tabled in the Parliament, highlighting the criminal-politician-officer nexus, but little action was visible on the ground. In fact, improvement in any field is a collective responsibility, so we should think about how eager the common people themselves are for any improvement.

Water again on the shine of Bangalore

Last week, the people of Bengaluru passed their days amidst miserable water-logging. There were traffic jams all around, the affluent were using tractors, bulldozers and boats to get to safer places, five star hotels were full of bookings, and the poor were left to fend for themselves as usual. During this, the leaders kept busy in accusing each other. Chief Minister Basavaraj Bommai blamed the previous Congress government and said the flood situation had arisen because of "its mismanagement". In response, the opposition targeted the BJP and demanded imposition of 'President's rule' in the state. This commentary soon turned into a futile battle. Some Congress leaders opened up against Tejashwi Surya on Twitter, alleging that the BJP MP has enough time to eat dosa and talk about it, criticize Rahul Gandhi's padayatra, blame Pandit Nehru for everything But there is no time to provide relief to the people affected by the floods.

Some scenes were really unpleasant. How often do you hear of the rich (not Lakhpati, but Crorepati) or famous Chinese struggling to keep their feet dry? That's why Mercedes and Audi were replaced by tractors and boats. The worst affected was the Hosur-Sarjapur Road Layout (HSR Layout), which is considered to be a residential area of the rich and the gateway to Bengaluru's Electronic City. Expensive residential areas like Epsilon and Divyashree also remained submerged. Unacademy CEO Gaurav Manjal said that he, his family and pet dog were rescued from the tractor. Several entrepreneurs and CEOs were seen wading into the water.

The reason for this is not clear to us. Climate change, poor urban planning, poor drainage system, corrupt administration, politician-builder nexus, unplanned urban expansion, greed, etc. have all contributed to the sinking of Bengaluru. Apart from the humanitarian crisis, there was also a lot of material damage. Some 25,000 cars were submerged in the water, and it is not yet clear how many of them can be recovered. The loss of the belongings of the poor was even more painful. Climate change and its effects are undoubtedly a major reason, although many still deny it. The data shows that the frequency of rain, that is, the rate of rainfall has increased. Experts believe that the phenomena which used to occur once in 200 years, now their duration has come down to 100 years. And, the phenomenon which used to happen once in 100 years, has now started happening in 50 or 25 years. Some weather phenomena have now started happening every year.

The effects of climate change are being seen in cities across the world, including developed and developing ones. The irony is that the rich nations have exploited nature the most, while the developing countries are suffering the most. This is because the rich countries have created the infrastructure to reduce the losses. The roads there have been made in such a way that there is no water-logging. Relief operations are immediately rushed there. Emergency services ensure that no lives are lost. And, special care is taken of the elderly and the poor. Developing countries are struggling for all these facilities, due to which people are greatly affected in most natural disasters. Urban planning is also taken seriously in affluent countries. They make every effort to maintain the geographical character of the area in the construction works. Due to this, the water does not flow unnecessarily, rather it gets absorbed in the soil.

Bangalore was once known as the 'City of Gardens and Lakes'. The British used to come here for rest and entertainment. But now its appearance has changed. The city of 13 million people has 189 lakes, most of which date back to the 16th century. Unlike coastal cities like Chennai and Mumbai, it is at a higher altitude and hence more vulnerable. The lakes here are linked by rajakaluves (canals), which once ensured that water flowed from one place to another without causing floods. Statistics show that barely 50 per cent of the 890-km Rajkaluve is functional now, as they have fallen into disrepair over time due to lack of cleanliness. This city is the 'Silicon Valley' of India and here many types of sensors have also been installed in the canals, which should send warnings at the appropriate time (when water is accumulated at 75 percent of the canal's capacity). But it seems that even these sensors did not work. Corrupt system has its own contribution in this. Reports suggest that the zamindars, some of the old feudatories, sold off a lot of their land, including the submerged area of the lake, low-lying areas, etc., to builders. The flashy buildings on these lands have blocked drainage and natural waterways. In some areas, construction work has been done without the permission of the local body. Some may argue here that this is true of the whole of India, not just Bengaluru. This happens everywhere across the country because of our large population and the pressure on land. But TV Ramachandra, head of the Department of Ecology at the Indian Institute of Science (Bengaluru), has done several studies to explain why there are frequent floods in Bengaluru. He has mainly suggested measures to improve urban planning along with the rejuvenation of the lakes here. This will not only prevent floods during excessive rains, but there will also be no shortage of water in summers. Clearly, instead of looking far away, the local administrators should find a solution to this problem around them.

Hindi becomes a connecting language

There has been a lot of discussion on the Constituent Assembly debate on Hindi. It is very important to remember what Seth Govind Das had said while adopting the Constitution. He had said in the Constituent Assembly, 'I am bothered by only one thing and it will always bother me that this constitution of this oldest country has been made in a foreign language after the country became independent. After the end of our slavery, after we became free, the constitution which we passed in a foreign language, will always be a thing of disgrace to us. It is the stain of slavery, it is the mark of slavery.' Since Seth Govinddas was not only a politician, he was also a reputed creator of Hindi. Perhaps because of his respect and his love for Hindi, he dared to say such a harsh thing. It may not be the language of Seth Govind Das and the language of Hindi lovers, but his thinking about Hindi is similar. It is true that originally if the constitution had been written in its own language, its spirit would have been different and so would its message. Since after getting independence, there was a lofty dream of building the country in front of the people, the whole country was also unanimous for this. Then Hindi could have been given constitutional status in true sense. But as it got delayed, the ideological schism increased. Vote bank politics also increased and as the goal of politics instead of service became a means of power, why only Hindi, the politics of other languages also changed. But who knew that in the beginning of the 20th century, the world which was talking about moving forward on the basis of socialist philosophy around socialism and Marxism, by the last decade of this century, was relying on that trickle down theory. Will hand over to the capitalist system! As the market started expanding its reach in different sectors of the society, it started using local languages as medium to express itself and increase its reach. He found the local languages more favorable than the imperial languages. The technical revolution has completed the right unturned. With the expansion of technology and market, local languages expanded rapidly and Hindi also grew in the same way. He has set so many steps of his reach and penetration, which needs deep research to test. To say that every year some Hindi words are getting a place in the Oxford dictionary, we are also proud of this. The imperialism which enslaved us for almost two hundred years, which gave our languages the status of slave language, if they are accepting our words with respect, then they should also be proud of it. Technology has made Hindi spread across the seven seas. People living far away from their homeland and soil make their soil the foundation for their identity and their unity.

ओवर बिलिंग की समस्या को विद्युत विभाग को तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें- श्री केशव प्रसाद मौर्य

दैनिक क्यूँ न लिखूं सच मुरादाबाद - आज सर्किट हाउस सभागार में मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी की अध्यक्षता में जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आहूत हुई। बैठक में मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने आवास विकास परिषद के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि सड़के ठीक करवायें। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने आयुक्त से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि कार्य की प्रगति अच्छे से चलती रहें। उन्होंने संबंधित अधिकारी से रिंग रोड के संदर्भ में जानकारी ली तथा उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिये कि रामगंगा विहार की रोड ठीक करवाकर गड्ढामुक्त करवायें। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि जहां-जहां ओवर बिलिंग की समस्या आ रही हैं वहां गुणवत्तापूर्ण समस्या का निदान किया जाये। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने बताया कि दिनांक 01 अप्रैल से कृषि के लिए निजी नलकूप का विद्युत बिल निः शुल्क रहेगा, जिससे जनपद में लगभग 25 हजार व मण्डल में लगभग 1,74000 किसान लाभान्वित होंगे। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने कार्यों में गुणवत्ता लाकर तेजी लायें। पी0एम0 आवास योजना के अन्तर्गत उप मुख्यमंत्री जी ने परियोजना निदेशक से जानकारी ली कि 2017 से अब तक कितने आवास बन गये हैं तथा उन्होंने परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि जिन लाभार्थियों को आवास आवंटित हो गये है उनके

बुनियादी जरुरतों को विशेष ध्यान रखा जाये। मंत्री जी ने मुख्य चिकित्साधिकारी से आयुष्मान कार्ड के संबंध में जानकारी ली, जिस पर सीएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 6 लाख आयुष्मान कार्ड बन गये हैं। मा0 मंत्री जी ने निर्देश दिये कि कोशिश की जाये ज्यादा से ज्यादा आयुष्मान कार्ड होल्डरों को सरकारी अस्पतालों में भी चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया करायी जायें। जिला कृषि अधिकारी ने मा0 उप मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया कि जिले में पी0एम0 किसान योजनान्तर्गत लगभग ढ़ाई लाख किसानों को लाभ पहुंचाया गया है तथा नगर आयुक्त ने अवगत कराया कि पी0एम0 स्वनिधि के अन्तर्गत 18,641 लाभार्थियों को ऋण की प्रथम किश्त प्राप्त करा दी गयी है। मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य में सुदृढ़ कानून व्यवस्था एवं सुरक्षित माहौल विकसित किया है जिसकी सर्वत्र सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था दंगामुक्त, आस्था का सम्मान करने वाली तथा प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा की गारंटी देने वाली बन चुकी है। प्रदेश सरकार ने पहले दिन से प्रदेश की कानून व्यवस्था का सुदृढ़ बनाने का कार्य किया है। उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि निवेश और रोजगार की पहली सर्त सुरक्षा होती है। डबल इंजन की सरकार ने सुरक्षा, विकास एवं निवेश का एक बेहतर वातावरण निर्मित किया है। केन्द्र व राज्य सरकार बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने का कार्य कर रही है। मुरादाबाद स्मार्ट सिटी के रुप में विकसित हो रहा है, जिसमें सभी आवश्यक नागरिक अवस्थापना सुविधाएं शामिल रहेंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक गरीब को आवास, शौचालय, विद्युत कनेक्शन आदि की सुविधा प्रदान की जा रही है। स्ट्रीट वेण्डर्स को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जोडने में सफलता प्राप्त हुई है। उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के लिए प्रतिबद्ध है तथा सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के सभी वर्गो के कल्याण हेतु कटिबद्ध है तथा सरकार जाति, मजहब, क्षेत्र, आदि से ऊपर उठकर सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ निरन्तर कार्यशील है। उन्होंने कहा कि विकास में अवरोध पैदा करने वाले तथ्यों के खिलाफ राज्य सरकार ने जीरो टालरेंस की नीति के साथ कार्य किया है तथा युवाओं के रोजगार एवं स्वावलंबन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया है। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्षा डा0 शैफाली सिंह, एमएलसी डा0 जयपाल सिंह व्यस्त, नगर विधायक श्री रितेश कुमार गुप्ता, कमिश्नर श्री आन्जनेय कुमार सिंह, डीआईजी पुलिस श्री शलभ कुमार माथुर, जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री हेमराज मीना, नगर आयुक्त श्री संजय चैहान, मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी नगर श्री आलोक कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त श्री युगराज सिंह, परियोजना निदेशक श्री सतीश प्रसाद मिश्र सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतेगी भाजपा

मुरादाबाद- प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 लोकसभा की सीटों पर भाजपा जीतेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रचंड बहुमत की जीत के साथ देश का नेतृत्व करेंगे। इसके लिए पार्टी के जन प्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। उप मुख्यमंत्री ने गुरुवार को बुद्धि विहार स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में पार्टी के कोर

कमेटी के सदस्यों के साथ ही सभागार में जिला, महानगर और मंडल अध्यक्ष आदि पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने भारत माता और जय श्री राम का जयघोष कर संबोधन शुरू किया। उन्होंने नव संवत्सर हिंदू नव वर्ष, श्रीरामनवमी और नवरात्र की शुभकामनाएं देकर कहा कि वह आज भी कार्यकर्ता हैं क्योंकि यही पद स्थायी है। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों में कसर न रहे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जहां हमें विधानसभा चुनाव में जीत नहीं मिली थी उन विधानसभा क्षेत्र में विशेष रूप से मेहनत कर पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करना है।बैठक में नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता, जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान, निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व सांसद सर्वेश कुमार सिंह, केके मिश्रा, महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, महानगर मीडिया प्रभारी राहुल सेठी, महानगर मंत्री सहित अन्य पदाधिकारी, नगर निगम के निवर्तमान पार्षद, मंडलों के अध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

जयंती पर सपाइयों ने डॉ. लोहिया को किया नमन

मुरादाबाद- समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर प्रख्यात समाजवादी चिंतक डॉ राम मनोहर लोहिया की 103वीं जयंती पर गुरुवार को उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पार्टी पदाधिकारियों ने नमन किया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष डीपी यादव ने गोष्ठी में कहा कि लोहिया जी हमेशा दबे कुचले लोगों के काम करते थे, उनकी आवाज उठाते थे। इसलिए समाजवादी साथियों को हमेशा हर मुद्दे को लेकर तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, अपराध चरम सीमा पर है। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है। हम सभी डा. लोहिया को नमन करते हुए समाजवाद के प्रचार प्रसार संकल्प लेते हैं। इस दौरान मुदस्सिर खान, लाखन सिंह सैनी, गोल्डी शर्मा, संजीव चौधरी, नाग भारती, बृजलाल जाटव, वेद प्रकाश सैनी, फाजिल मलिक, डॉ उमर, अशोक सैनी, वीर सिंह यादव, फरीद मलिक, उस्मान अली, नेता सिद्दीकी, मोहम्मद इलियास आदि लोग उपस्थित रहे।

लापरवाही : इलाज के नाम पर खाना पूरी की जाती है

पवन कुमार
दैनिक क्यूं न लिखूं सच

उरई(जालौन) कान्हा हॉस्पिटल में उरई में आयुष्मान कार्ड द्वारा इलाज किया जाता है लेकिन मरीजों का इलाज मे खाना पूर्ति की जाती है इलाज के दोरान कोई सीनियर डॉक्टर कभी भी नहीं आते हैं आयुष्मान कार्ड धारकों को देखने के लिए एक मरीज कम से कम चार दिन का एडमिट करते हैं हॉस्पिटल की तरफ से केवल अगर कोई जांच हो उसके लिए मरीज को 36 घंटे हो चुके हैं अभी तक मरीज को नहीं चला पता कि हमारी जांच हो पाएगी या नहीं हम आपको बताते चलें पवन कुमार पत्रकार स्वयं अपना इलाज कराने कान्हा हॉस्पिटल पहुंचे वहां पर 21/3 /2023 समय करीब 1 बजे दिन में भर्ती

कर लिया गया था 36 घंटा बीत जाने तक नहीं पता चला की एम आर आई जांच हो पाएगी या नहीं जब भी किसी डॉक्टर से पूछते हैं तो वो डाल देते हैं एक दूसरे के ऊपर कैसे पता चले की जांच हो सकती है या नहीं आज आयुष्मान भारत की कान्हा हॉस्पिटल में टीम आई जब पवन पत्रकार ने स्वयं टीम से बात की हर्ष शर्मा जी आए थे उन्होंने बताया कि हम इसको अस्पताल चार्ज करते हैं कि कहीं पैसा तो नहीं लग रहा है पैसा तो नहीं लग रहा है कान्हा हॉस्पिटल में लेकिन मुझे इस बात का पता नहीं है हर्ष ने बताया है बाकी जान कारी आप ऊपर कर लें टोल फ्री नंबर पर है टीम वालों ने बताया है कि अभी कंफर्म हो जाएगी तभी हम बता पाएंगे मुझे लगता है कि टीम मेंके अभी ऊपर से आदेश नहीं आया है फिलहाल इस अस्पाताल मे लोगो को कोई लाभ नही मिल पा रहा है

बाइक सवार लुटेरों ने लूट की घटना को दिया अंजाम, युवक के रुपए और मोबाइल छीनने के बाद मरणासन्न कर छोड़ा

प्रद्युम्न कटियार
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

कानपुर (बिल्हौर)- थाना क्षेत्र के नसिरापुर गाँव निवासी आशुतोष पाण्डेय कानपुर स्थित एक निजी कंपनी में नौकरी कर अपना और अपने परिवार का जीवन यापन करते है, वह प्रतिदिन अपने घर से ही कंपनी के लिए आवागमन करता है, प्रतिदिन की भाँति बुधवार रात भी वह ट्रेन द्वारा कानपुर से बिल्हौर पहुँचा था, बिल्हौर से पैदल अपने गांव के लिए जा रहा था, वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तभी ईशन नदी पुल के निकट 4 बाइक सवारों ने उसे दबोच लिया और उसके साथ मारपीट करते हुए उसकी जेब में पड़े 12000 रुपए और मोबाइल छीन लिया तथा चेहरे पर तमंचे की बट और घूंसे का प्रहार कर उसे मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए, होश में आने पर युवक एक प्राइवेट फर्म में चौकीदारी कर रहे पिता के पास पहुंचा और उनके साथ थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी, क्षेत्र में इस घटना को लेकर तरह तरह की चर्चाएं जारी।

नहीं रहे ईसाई धर्मगुरु चन्द्रभान सिंह,नगर में दौड़ी शोक की लहर

प्रदीप कुमार गुप्ता
दैनिक क्यूं न लिखूं सच

बरेली- रिठौरा। ईसाई धर्म गुरु का उपचार के दौरान निधन अनुयायियों में दौड़ी शोक की लहर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गुरुवार को किया गया अंतिम संस्कार उमड़ी भारी भीड़। जानकारी के अनुसार आदर्श नगर पंचायत रिठौरा के मोहल्ला राजीव नगर निवासी ईसाई धर्म गुरु चंद्रभान सिंह किसी जरूरी काम से उत्तराखंड गदरपुर

अपने एक अन्य साथी के साथ बाइक से गए थे वही एक पहन ने उनकी वाइफ को टक्कर मार दी जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए उन्हें बरेली के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए दाखिल कराया गया था जहां बुधवार को उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई जैसे ही उनके निधन की खबर उनके परिजनों और अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गई ।पत्नी प्रशंसा देवी बेहोश हो गई। पुलिस ने शव को अस्पताल में ही कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर जिला मुख्यालय भिजवाया । देर शाम शव रिठौरा लाया गया उनके अंतिम दर्शन हो भारी संख्या में भीड़ जुटी ।धर्म गुरु अपने पीछे तीन बेटियों ,एक बेटा को अपने पीछे छोड़ गए हैं ।गुरुवार को ईसाई धर्म परंपरा के अनुसार उन्हें शहर के शान्ति की मीनार कुदैशिया बरेली में दफनाया गया। उनके आकस्मिक निधन पर जगदीश गंगवार ,अमित गुप्ता, एडवोकेट जसवीर सिंह राना, पूर्व चेयरमैन राकेश कुमार उर्फ आर के कश्यप ,शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता ,माया, पूर्व सभासद पप्पू कश्यप ,सतीश कुमार ,भूपराम, दिनेश भास्कर आदि ने गहरा शोक जताया है।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इससे उत्पन्न समस्त

छग श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष का चांदनी बिहारपुर में हुआ दौरा

दौरे में आए श्री अहमद ने मजदूरों के हीत में बताए कई महत्वपूर्ण जानकारियां

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर-ओड़गी- सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर में एक दिवसीय दौरे पर आए छग श्रम कल्याण मंडल (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त)के अध्यक्ष श्री सफी अहमद* का दौरा कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में उन्होंने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण जानकारियां लोगों के बीच में दी तथा लोगों को श्रम मजदूर पंजीयन करवाने को कहा तथा असंगठित मजदूर के बारे में भी जानकारी दी कि मजदूर एक फावड़ा चलाने वाला मजदूर होता है

तो वहीं एक असंगठित मजदूर होता है जो छोटा व्यापार जैसे पान ठेला लगाकर चाट फूल्की बेचने वाले सभी असंगठित मजदूर में आते हैं उन ऐसे सभी लोगों को असंगठित मजदूर में श्रम मजदूर पंजीयन करवाना चाहिए तथा उसका लाभ लेना चाहिए। श्री अहमद ने कहा कि हम पुरा प्रयास करेंगे कि इस क्षेत्र में एक शिविर आयोजित हो ताकि शिविर में छोटे बड़े सभी प्रकार के मजदूरों का श्रम मजदूर पंजीयन हो ताकि सभी लोग इसका सीधा लाभ मजदूरों को अधिक से अधिक मिले । इस मौके में उनके साथ आए रमेश दनौजिया, संजय यादव, दानि पाण्डेय, तथा चांदनी क्षेत्र के गोरखनाथ पाठक ,मंदेश गुर्जर,जगनाथ प्रसाद सोनी,रमेश गुप्ता,बेचूराम बैस ,भैयालाल गुप्ता, लालू जायसवाल, धर्मजीत सिंह, तुलसीराम जायसवाल गोपीचंद जायसवाल, लालचंद गुप्ता, प्रताप सिंह,धर्मदास बैस,बसपती सिंह, बबलू जायसवाल, रामप्रताप बैस,शिशुपाल जायसवाल, रामलक्षन वैस,गजानंद जायसवाल, शैलेश जायसवाल आनंद जायसवाल आकाश वैस मन्नू अग्रवाल, जयबाबू जायसवाल, अभिषेक पाठक ,शोभन सिंह, कौशलेंद्र शर्मा ,रामबेचन सिंह, राजेश जायसवाल, सदानंद यादव राजकुमार यादव, रामनरेश साकेत, ब्रम्हदेव जायसवाल,दिनेश साकेत,बंसमन गुर्जर, रामाधार साकेत कालिका जायसवाल ,रामसुभग साकेत श्यामसुंदर गिरी ,सतानंद जायसवाल ,संजय जायसवाल रामधनी सिंह, अनुज प्रताप सिंह तथा जन उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन लालू जायसवाल के द्वारा एवं आभार प्रकट तथा कार्यक्रम समाप्त की घोषणा जगन्नाथ प्रसाद सोनी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले चांदनी थाना प्रभारी जे एस कंवर एवं उनके स्टाफ तथा मिडिया के साथी उपस्थित रहे ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार बेरोजगारी भत्ता योजना और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 1 अप्रैल से होगा शुरू

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

गौरेला पेंड्रा मरवाही- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुसार प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता योजना और सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 1 अप्रैल से शुरू होगा। कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया ने आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की बैठक लेकर दोनों योजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए समय पूर्व संपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि राज्य शासन द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को 1 अप्रैल 2023 से 2500 रुपये प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने की योजना की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होने बेरोजगारी भत्ता योजना के मापदंड, पात्रता, भत्ते की स्वीकृति की प्रक्रिया आदि की

विस्तृत जानकारी दी। उन्होने 1 अप्रैल से प्रारंभ किए जाने वाले सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 के लिए जिला स्तर पर समन्वय, क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं संचालन के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। बैठक में राजस्व, पंचायत, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि और कौशल विकास एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2023 के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय कर प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए प्रगणक दल का गठन करने, प्रशिक्षण हेतु मास्टर ट्रेनर्स चयनित करने सहित संपूर्ण तैयारी समय पूर्व सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री बीसी एक्का, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री आर के खूटे, संयुक्त कलेक्टर श्री वीरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेंड्रारोड श्री पुष्पेंद्र शर्मा एवं मरवाही श्री आनंद रूप तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एनआर चंद्रा, सभी जनपद सीईओ सहित कृषि, सहकारिता, तकनीकी शिक्षा और महिला एवं बाल विकास के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कुदरगढ़ महोत्सव में एसईसीएल ने बढ़ाया सहयोग का हाथ, महाप्रबंधक ने कलेक्टर को सौंपा 20 लाख रुपये का चेक

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर-/ एसईसीएल बिश्रामपुर ने कुदरगढ़ महोत्सव 2023 के लिए 20 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। गौरतलब है कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर कुदरगढ़ में 26 मार्च से 28 मार्च 2023 तक कुदरगढ़ महोत्सव मनाया जा रहा है इसके लिए एसईसीएल महाप्रबंधक अमित सक्सेना ने कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा को क्षेत्रीय विकास एवं प्रचार प्रसार मद से 20 लाख रूपये का चेक सौंपा। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक श्री अनुपम दास, उप प्रबंधक श्री सतीश वर्मा उपस्थित थे। इस दौरान एसईसीएल महाप्रबंधक श्री अमित सक्सेना ने लाइफ लाइन

एक्सप्रेस के लिए सीएसआर मद से 4 लाख 93 हजार रूपए का चेक भी सौंपा। लाइफ लाइन एक्सप्रेस शिविर कमलपुर रेलवे स्टेशन में 25 फरवरी से 17 मार्च तक आयोजित किया गया था। शिविर में निर्धारित तिथि अनुसार आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी, कान की जांच एवं कान की सर्जरी, मुड़े हुए पैर का परीक्षण एवं सर्जरी, कटे फटे होंठ की जांच एवं सर्जरी, दांत की जांच एवं उपचार किया गया। इसके अलावा स्तन एवं ग्रीवा कैंसर जागरूकता एवं परीक्षण कर नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा एवं उपचार किया गया।

सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत चलानी कार्यवाई शुरू

15 संस्थानों पर वसूला गया 3620 रुपए जुर्माना

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

गौरेला पेंड्रा मरवाही- जिले में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के बेहतर क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया द्वारा गठित जिला प्रवर्तन दल के द्वारा चलानी कार्यवाई शुरू कर दी गई है। कारवाई के तहत आज 15 संस्थानों

पर 3620 रुपए जुर्माना वसूला गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आई. नागेश्वर राव के निर्देशानुसार पेंड्रा एवं गोरेला थाना क्षेत्र अंतर्गत चलानी कार्यवाही जिले में प्रारंभ की गई7 सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना एवं धूम्रपान को प्रोत्साहित करने वाली वस्तुएं उपलब्ध कराना, 18 साल से कम उम्र के द्वारा तंबाकू विक्रय या व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद बेचना, शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पाद की बिक्री करना तंबाकू, उत्पादों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष विज्ञापन करना व बिना विशिष्ट चित्रात्मक चेतावनी के तंबाकू उत्पाद का विक्रय करना दंडनीय अपराध है, आज की कार्यवाही में जिला कार्यक्रम प्रबंधक विभा टोप्पो के सहयोग से खंड चिकित्सा अधिकारी पेंड्रा डॉक्टर ए.आई. मींज एवं खंड चिकित्सा अधिकारी गौरेला डॉ अभिमन्यु सिंह, नोडल अधिकारी डॉ पारसजैन, औषधि निरीक्षक श्री पीयूष जायसवाल, श्रम निरीक्षक श्री नीति, श्री संतोष साहू एवं राजस्व निरीक्षक नगरपालिका पेंड्रा दीप साहू आदि शामिल थे। तकनीकी सहयोग द यूनियन संभागीय समन्वयक द्वारा प्रदान किया गया7

मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा जन चौपाल लगाया गया जिसका असर ग्रामीण अंचल में शिक्षा के प्रति आई जागरूकता

रामचंद्र जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

सूरजपुर-ओड़गी- ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल ओड़गी मैं खुले विगत 7 वर्ष से भी अधिक हो चुके हैं मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य धनंजय सिंह के द्वारा इस बार स्कूल के बैनर तले दूरस्थ अंचल के ग्रामीणों के वरिष्ठ नागरिकों के सहयोग से लगातार जन चौपाल लगाया गया जिससे मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के पढ़ाई के विषय में ग्रामीण अंचल के ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति संपूर्ण जानकारी दी प्राचार्य धनंजय सिंह के द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल इंग्लिश मीडियम है और दूरस्थ अंचल के ग्रामीण इंग्लिश नाम सुनकर बच्चों को एडमिशन कराने में कतराते हैं परंतु हमारे द्वारा दूरस्थ अंचल के ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जानकारी देते हुए बताया गया कि अब हिंदी के साथ साथ इंग्लिश भी बहुत महत्वपूर्ण हो चुकी है सीबीएससी के माध्यम से आप अपने बच्चों को पढ़ाते हैं तो हिंदी के साथ साथ उनको इंग्लिश की संपूर्ण अध्ययन कराया जाता है क्योंकि हम अपने गांव और शहर से बाहर निकलते हैं तो हमें इंग्लिश की जानकारी होना बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है स्कूल के द्वारा हर वर्ष कैरियर काउंसलिंग का भी आयोजन कराया जाता है इस आयोजन में मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों के साथ अन्य स्कूल के बच्चों को भी कैरियर

काउंसलिंग में आमंत्रित की जाती है और प्रोफेसर डॉक्टर एवं उच्च रैंक के अधिकारियों के द्वारा बच्चों को गाइड किया जाता है जिससे बच्चों को आगे चलकर किसी प्रकार की कठिनाई का सामना ना करना पड़े ओड़गी मुख्यालय का पहला स्कूल है जहां इस प्रकार का आयोजन करते हैं

ग्रैंड पेरेंट्स हर वर्ष मनाया जाता है

स्कूलों में शिक्षा के प्रति तो जागरूक किया ही जाता है साथ में बुजुर्गों , माता पिता को दादा दादी को मान सम्मान देने के लिए बच्चों को संस्कार के बारे में अवगत कराया जाता है साथ में भूतपूर्व शिक्षकों एवं वरिष्ठ नागरिकों बुलाकर बच्चों को संस्कार के बारे में संपूर्ण जानकारी दी जाती है जिससे बच्चे भी इस जानकारी को सुनकर बड़ों एवं छोटों का सम्मान करने का तरीका सीखते हैं इस पहल से क्षेत्र के ग्रामीणों में भी इसकी चर्चा होती रहती है क्योंकि आज के समय में हम शिक्षा तो संपूर्ण देते हैं परंतु हम इस बात को भूल जाते हैं कि माता-पिता कितनी मेहनत से हमें पढ़ा लिखा कर बड़ा करते हैं और उच्च स्थानों पर भेजते हैं । हिंदी दिवस भी धूमधाम से मनाया जाता है हिंदी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डीएवी स्कूल के द्वारा कार्यक्रम करा कर हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया जाता है जिससे बच्चे भी भागीदारी लेकर हिंदी दिवस के अवसर पर कविता के माध्यम से जानकारी देते हैं -रीक्षा से पहले की जाती है हवन- सीबीएससी बोर्ड की परीक्षा आने के पहले मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा विधिवत पूजा पाठ करा कर बच्चों से हवन कराया जाता है एवं बच्चों को पेपर से पहले पूरी जानकारी से अवगत कराया जाता है जिससे बच्चे अच्छे से पढ़ाई कर एग्जाम में पास हो सके । क्या कहते हैं इस संबंध में डीएवी के अभिभावक - स्कूल के द्वारा जो जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जानकारी दी जा रही है बहुत ही सराहनीय है हम अपने बच्चों को शिक्षा देने के लिए लोगों का सहारा लेते हैं परंतु डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जो जानकारी दी गई है उसका असर शिक्षा पर पड़ा है और ग्रामीण अपने बच्चों को स्कूल की ओर ले जा रहे हैं ऐसा कार्यक्रम हमेशा होना चाहिए - मनीष प्रताप सिंह अभिभावक ओड़गी डीएवी स्कूल में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ उच्च संस्कार के बारे में अवगत कराया जाता है खेलकूद के माध्यम से बच्चों को प्रोत्साहित किया जाता है स्कूल में शिक्षा व्यवस्था भी बहुत अच्छा है हम अपने बच्चों का एडमिशन करा कर खुशी जाहिर करते हैं । महेश पार्वती सिंह - अभिभावक ओड़गी मुख्यमंत्री डीएवी पब्लिक स्कूल के द्वारा गांव गांव जाकर शिक्षा के प्रति जो जागरूक की जा रही है वह बहुत ही सराहनीय है ऐसा कार्यक्रम बहुत कम ही संस्थाओं के द्वारा किया जाता है परंतु हर गांव में जो जानकारी दी गई है उसका असर देखने को मिल रहा है ।- गौरी सिंह सरपंच ओड़गी कैरियर काउंसलिंग के माध्यम से बच्चों को जो गाइड कराया जा रहा है वह बहुत ही सराहनीय योगदान है दूरस्थ अंचल होने के कारण ऐसे कार्यक्रम बहुत कम होते हैं और बच्चे पास हो जाने के बाद जानकारी के अभाव में सही डिसीजन नहीं ले पाते हैं इस कार्यक्रम से बच्चों को उच्च शिक्षा की जानकारी प्राप्त होती है डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल का सराहनीय योगदान ह।

संक्षिप्त समाचार

झूलेलाल जयंती पर शोभायात्रा निकाली

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- सिंधी समाज द्वारा आज श्री झूलेलाल जयंती के अवसर पर बड़ी धूमधाम से एक शोभा यात्रा निकाली गई। राकेश गांधी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ने शोभा यात्रा में उपस्थित पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष खूब चंद तारानी सहित तमाम सिंधी समाज के लोगों को आकर्षक मोतियों की मालाओं से माल्यार्पण कर स्वागत किया। शोभा यात्रा सिंधी कालोनी से शुरू हो कर घंटाघर, मेहता पार्क होती हुई निधौली रोड़ पहुंची जहां शोभा यात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा में खूब चंद तारानी, विजय निरंकारी, दिलीप निरंकारी, नरेश निरंकारी, सुमंत यादव सम्पादक दहलता आईना, पूरन उर्फ पिल्लू, राजेश बासवानी, कपिल बासवानी, पंकज, कल्लू, भोजराज उर्फ भोजूमल सदस्य पूज्य सिंधी पंचायत एटा, नूतन, विमल उर्फ बिट्टू, गब्बर, संजीव सुपैती सहित सैकड़ों सिंधी समाज के लोग उपस्थित रहे।

झोला छाप डॉक्टर ने ली एक महिला की जान

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- जैथरा - विकास खंड जैथरा के ग्राम पट्टी निवासी प्रदीप कुमार की भतीजे की पत्नी संगीता देवी को तथाकथित झोला छाप डॉक्टर सूरज सिंह दो कस्वा स्थिति अपने नर्सिंग होम पर गलत उपचार कर ली जान,सर्दी जुकाम की दवाई लेने आई महिला को बोतल चढ़ाकर मौत के हवाले कर अपने नर्सिंग होम से फरार हो गया। बताते चले इसी झोला छाप ने पांच महीने के अंदर तीन जाने ली,जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, स्वास्थ्य विभाग कुम्भकरणी नीद मे सोया हुआ है। अभी पिछले सप्ताह अरबिंद शाक्य नामक झोला छाप ने एक मासूम की जान एक्सपायरी सीरप पिलाकर जान ली,का केस अभी ठंडा तक नही हुआ ठीक अगले दिन सूरज नामक झोला छाप ने भी महिला को काल के गाल मे समा दिया।जिसकी प्राथमिकी परिवारीजनों ने स्थानीय पुलिस स्टेशन मे दर्ज करा दी। स्वास्थ्य विभाग ऐसे कैसे इन तथाकथित झोला छाप डॉक्टरों को मौत बाटने के लिए तैनात किए रहेगा

जेपीएस में किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों को पुरस्कृत

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा- प्रस्तुतिकरण से गुणवत्ता में छिपी प्रतिभा निखरती है- दीक्षित,नगर में स्थित जलेसर पब्लिक स्कूल (जेपीएस) में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों को आज पुरस्कृत किया गया । लोकगीत, राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, नाटक,नृत्य,सहित अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की कोषाध्यक्षा आशा दीक्षित एवं विद्यालय के संस्थापक नरेंद्र दीक्षित द्वारा संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए संस्थापक नरेन्द्र दीक्षित ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में देश की संस्कृति को समझने की रुचि बलवती होती है ।विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी बहुमूल्य योगदान है ।गायन और भाषण की प्रतिस्पर्धा से व्यक्तित्व में निखार आता है। भाषा की अभिव्यक्ति का महत्व उत्कृष्ट प्रदर्शन पर आधारित होता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से बालक की चहुँमुखी प्रतिभा और गुणवत्ता में निरंतर बढ़ोत्तरी होती रहती है। इस अवसर पर जेपीएस मैन ब्रांच के एडमिनिस्ट्रेटर इंजीनियर तेजेश दीक्षित ,जेपीएस यूनिट -2 के एडमिनिस्ट्रेटर दिनेश दीक्षित (एडवोकेट),जेपीएस किड्ज (माई डिजिटल प्ले स्कूल) के एडमिनिस्ट्रेटर ध्रुवेश दीक्षित,संरक्षक मण्डल के वरिष्ठ सदस्य शिवशंकर दीक्षित ,जेपीएस मैन ब्रान्च की कार्यवाहक प्रधानाचार्या मनोरमा सिंह ,चंद्रपाल सिंह, सत्येंद्र सिंह तोमर ,अवधेश कुमार, मनेंद्र सिंह धाकरे ,जाकिर हुसैन, रामनरेश, अभिजीत कौशल, सत्य प्रकाश,हर्ष पाठक ,संध्या वर्मा सारुल सिंह, सुनीता शर्मा,शाजिया,नाहिद,प्रीति सिंह,डिम्पल जैन, कृष्णा,सहित विद्यालय की अन्य शिक्षिकाएं , शिक्षणेत्तर कर्मचारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगे10 लाख

निशाकांत शर्मा-दैनिक क्यूँ न लिखूं सच

एटा-मंडी समिति में नौकरी दिलवाने के नाम पर लाखों रूपये ठग लिए। नौकरी भी नहीं लगी। रूपये मांगने पर आरोपी मना कर रहा है। थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पीड़ित ने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी के आदेश पर थाना रिजोर में रिपोर्ट दर्ज हुई है। थाना रिजोर के गांव मिर्जापुर सई निवासी सुरजीत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि आरोपी दीपक पांडेय, इनकी पत्नी पूजा पांडेय निवासी हाउस सिटी रत्नाकर खंड पीजीआई लखनऊ ने मंडी समिति में नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। दस लाख रूपये मांगे थे। आरोप है कि तीन लाख 60हजार खाते में डाले वही छह लाख 40हजार रूपये नकद दिए थे। मंडी समिति का रिजल्ट आया। पीड़ित ने रूपये मांगे। आरोपी ने रूपये नहीं दिए। आरोप है कि दीपक पांडेय शातिर अपराधी है और कई बार लखनऊ, मैनपुरी जिला में बंद रहा है। एक साथी दुर्गेश यादव भी था। रिजोर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व सपा विधायक रामेश्वर सिंह यादव को अलीगढ़ की जेल में आज किया गया है शिफ्ट

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-एटा में सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही है, गैंगस्टर में निरुद्ध पूर्व सपा विधायक रामेश्वर सिंह यादव को अलीगढ़ की जेल में आज किया गया है शिफ्ट, 10 माह पूर्व सपा विधायक को गैंगस्टर मामले में आगरा से गिरफतार कर भेजा था एटा जेल, एटा जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल के आदेश पर जॉच के बाद रामेश्वर सिंह यादव को एटा जेल से भेजा गया है अलीगढ़ जेल, गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोनों भाई सपा के पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव थे एक ही जेल में, जेल मैन्युअल के हिसाब से भी बताया जा रहा है अलीगढ़ जेल में किया गया है शिफ्ट, रामेश्वर सिंह यादव पर गैंगस्टर एक्ट सहित 80 से जायदा मुकदम्मे है दर्ज।

एटा के मुकावले कासगंज भूजल संचन मे अव्वल

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-कासगंज,। जल संचय के मामले में भी कासगंज जनपद ने बड़ी छलांग लगाई है। डार्क जोन में चले गए चार ब्लॉक क्षेत्र अब सेफ जोन में आ गए हैं। इन ब्लॉकों को सेफ जोन में लाने में जलशक्ति मंत्रालय का प्लान असरदार रहा। स्कूल, कालेज, सरकारी इमारतों में हुए जल संचय के प्रबंध ने भी कमाल कर दिखाया। इसके साथ में समूचे जिले में खुदाई सफाई कर तैयार किये गए अमृत सरोवरों, बूढ़ी गंगा के अलावा नीम नदी के चेकडैम काम आए। जल दोहन अधिक होने व भू जल संचयन कम होने से कासगंज करीब 10 साल से अधिक समय तक, सोरों ब्लॉक, सहावर ब्लॉक पांच साल एवं गंजडुंडवारा एक साल तक डार्क जोन श्रेणी में चला गया था। जबकि अन्य ब्लाक अमांपुर, सिढ़पुरा, पटियाली सेफ जोन में चले आ रहे थे। इन ब्लॉकों को डार्क जोन से सेफ जोन में लाने के लिए जल शक्ति मंत्रालय ने तत्कालीन डीएम चन्द्रप्रकाश सिंह के माध्यम से इस पर अभियान चलाया। नतीजा दो साल में हुए बरसात के जल संचय से तीनों ब्लॉक सेफ जोन में आ गए।

एक दशक बाद सेफ जोन में कासगंज

ये है जल स्तर- 12 मीटर पर कासगंज ब्लॉक क्षेत्र में पानी 05 मीटर पर सहावर ब्लॉक क्षेत्र 05 मीटर सोरों,ब्लॉक क्षेत्र 5 मीटर गंजडुंडवारा क्षेत्र 20 मीटर पटियाली ब्लॉक क्षेत्र 12 मीटर सिढ़पुरा ब्लॉक क्षेत्र 13 मीटर अमांपुर ब्लॉक क्षेत्र में 200 स्कूलों में जल संचय प्रबंध कासगंज। बेसिक शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार के मुताबिक 200 स्कूलों व कालेजों में जल संचय प्रबंध किया गया। जिससे बरसाती पानी जमीन में गया। इसके अलावा सरकारी इमारतों, नगर निकायों की इमारतों व ग्राम पंचायतों में भी भूजल संचय पर तेजी से काम हुआ। हैंडपंपों के सहारे प्रबंध किया गया।

80 अमृत सरोवर काम आए बरसाती

जल संचय करने में जनपद में अमृत सरोवरों को तैयार करने के लिए अभियान चलाकर खुदाई, सफाई कराकर बरसाती पानी को एकत्र करने का काम हुआ। इसके अलावा नीम नदी के चैम डेम व बूढ़ी गंगा की खुदाई से भी बरसाती पानी जमीन में गया।

भूगर्भ जल विभाग ने की मॉनीटरिंग

लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता मोहम्मद मुकीम ने बताया जल शक्ति मंत्रालय के निर्देश पर भूगर्भ जल विभाग आगरा के अधिकारियों ने बाकायदा मॉनीटरिंग की गई है। वहां पीजो मीटर लगाकर पता चलाया गया है कि, कितना जल दोहन हुआ और कितना संचय हुआ। हालांकि पटियाली में बरसाती पानी का संचय कम होने और अब जलदोहन अधिक होने पर सेमी किट्रीकल श्रेणी में है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर

निशाकांत शर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
एटा-जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, एटा की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों का सात दिवसीय विशेष शिविर रोज एकेडमी स्कूल, आगरा रोड, एटा में चल रहा है। शिविर के तीसरे दिन आज दिनांक 22 मार्च 2023 को कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने एन.एस.एस. की शपथ ली और एन.एस.एस. गीत प्रस्तुत किया। शिविर का आज का दिन उत्तर प्रदेश सरकार के महत्त्वाकांक्षी अभियान मिशन शक्ति की थीम पर केंद्रित रहा। वालेंटियर्स ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' पर एक जागरूकता रैली निकाली। शिविर में वालेंटियर्स ने 'बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया। इसमें गायत्री, रिया माथुर, लोकेश सिंह, दीपा गुप्ता, मानसी और नेहा ने भाग लेकर अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियां दीं। इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वॉलिंटियर्स ने आम जनता को यह संदेश दिया की यदि बेटियां नहीं पढ़ेंगी तो वे अज्ञान के अंधकार में डूबी रहेंगी। बालिकाओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए उनका पढ़ना बहुत आवश्यक है। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने इस नुक्कड़ नाटक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, एटा की राजनीति शास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ नीलम गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक सभ्यता के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका रही है किंतु वर्तमान समय में शिक्षा की कमी के कारण समाज में अभी भी महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हैं। शिक्षित महिलाएं ही सशक्त और समुन्नत राष्ट्र का निर्माण कर सकती हैं। उन्होंने मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए कहा कि जहाँ नारियों की पूजा होती है उनका सम्मान किया जाता है वहाँ देवता अर्थात् सुख-समृद्धि का वास होता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की दूसरी इकाई की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती जया गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण हमारी सोच पर निर्भर है। यदि हम उत्तम और रचनात्मक सोच रखेंगे तो स्वयं को सशक्त और समृद्ध बना सकेंगे। हमें सदैव सकारात्मक सोच रखनी चाहिए। हमें अपने चारों और न देखकर अपनी ही अच्छाइयों और बुराइयों पर विचार करना चाहिए और उनका परिमार्जन करते रहना चाहिए तभी हम अच्छे इंसान बन सकते हैं। अध्ययन व्यक्ति में पूर्णता लाता है, लेखन से व्यक्ति में सटीकता आती है और संभाषण व्यक्ति को प्रत्येक परिस्थिति के लिए तैयार करता है। इसलिए हमें अपनी शिक्षा में अध्ययन, लेखन और संभाषण तीनों का ध्यान रखना चाहिए। यह चीजें व्यक्तित्व का विकास करती हैं। उन्होंने कहा कि आचरण और व्यक्तित्व परस्पर घनिष्ठ रूप से संबंधित हैं। हमारा आचरण हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करता है। चरित्र हमारे जीवन के दैनिक कर्तव्यों के संपादन में अभिव्यक्त होता है। इसलिए हमें निरंतर आत्मालोचन करते रहना चाहिए कि हम जो कुछ कर रहे हैं उससे हमारा किस तरह का चरित्र निर्मित हो रहा है। उन्होंने सावधान किया कि लिबास को पर्सनालिटी का पर्याय न मान बैठें। लिबास सिर्फ ऊपरी चमक पैदा करता है चरित्र निर्माण के लिए हमें अंदर की चमक पैदा करने की आवश्यकता है और यह उचित शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि यही राष्ट्र की रीढ़ हैं। प्रख्यात ग्रीक विचारक अरस्तु ने भी इस बात को कहा था कि हमें अपने युवाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, उन्हें जितना संभव हो उतना अधिक अच्छा बनाने की आवश्यकता है। शिविर के दौरान स्वयंसेविकाओं ने मेंहदी प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। शिविरार्थियों ने गीत एवं नाटक के माध्यम से अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्वयंसेवकों में लोकेश सिंह, विशाल कुमार व अभिषेक तथा स्वयंसेविकाओं में रजनी, लक्ष्मी, श्वेता यादव, मुस्कान कुमारी, कशिश, पूजा, अनन्या, सौम्या, निधि सोलंकी, शिवानी, राधा, छवि, गीता, चंचल, कनक आदि की प्रस्तुतियां विशेष सराहनीय रहीं। आज के कार्यक्रम के संचालन की जिम्मेदारी प्रथम इकाई के स्वयंसेवक श्री सौरभ वर्मा, द्वितीय इकाई की स्वयंसेविका कु.सौम्या तथा तृतीय इकाई की स्वयंसेविका कु.पूजा ने संयुक्त रूप से बखूबी निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. प्रवेश पांडेय, श्री विनोद आदि अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) भारत भूषण सिंह परिहार ने सभी स्वयंसेवकों व स्वयंसेविकाओं के उत्साहपूर्ण प्रतिभाग के लिए उनकी सराहना की तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम अधिकारियों श्री संजय यादव, श्रीमती जया गुप्ता एवं डॉ. रत्नेश कुमार मिश्र को बधाईयां दीं।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

अरविन्द कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिलें में यातायात नियमों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु चिन्हित ब्लैक स्पॉटो की स्थिति एवं उन पर किये जाने वाले सुधारात्मक कार्य तथा नवीन ब्लैक स्पाट्स हेतु चिन्हांकन किया जाए एवं दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जाये। शहर के प्रमुख मार्गो पर सड़क सुरक्षा चिन्हों का बोर्ड/संकेतांक, स्पीड ब्रेकर, रिफ्लेक्टिंग (कलर), रंबलिंग स्ट्रिप बनाये जाएं। बच्चों के विद्यालय आने एवं विद्यालय की छुट्टी के समय जाम की समस्या के दृष्टिगत विद्यालय के समय में परिवर्तन किया जाए। विद्यालय परिसर के बाहर दोनों साईडों पर रोड ब्रेकर बनाया जाए तथा विद्यालय के कर्मचारियों की स्कूल खुलने एवं छूटने के समय ड्यूटी लगायी जाए। इसके अलावा विद्यालय प्रबन्धक/प्राचार्यो द्वारा ड्राईवर का पहचान पत्र, मोबाईल नमबर, नेम प्लेट तथा निर्धारित वर्दी अनिवार्य किया जाए तथा स्कूली वाहनों से सम्बन्धित फीस का निर्धारण किया जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जनपद वासियों से अपील किया कि यातायात नियमों का अक्षरशः पालन करें, क्योंकि जीवन बहुत ही अमूल्य है। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेल्मेट का प्रयोग करें। उन्होने यह भी कहा कि जो भी व्यक्ति यातायात नियमों का पालन नहीं करते पाया गया, तो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही भी की जायेगी।

राज्य जैव उर्जा कार्यशाला का विकास भवन सभागार में हुआ आयोजन

लंकीन प्रसाद वर्मा
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- जिलाधिकारी नेहा प्रकाश के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला विकास अधिकारी रामसमुझ की उपस्थिति में राज्य जैव उर्जा नीति-2022 की कार्यशाला विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। जैव उर्जा नीति-2022 कार्यशाला का संचालन वरिष्ठ परियोजना अधिकारी यू0पी0 नेडा सुरेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। बैठक में वरिष्ठ परियोजना अधिकारी यू0पी0 नेडा ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव उर्जा नीति 2022 के अन्तर्गत कृषको को दी जाने वाली अनुमान्य सुविधाओं से अवगत कराया। उन्होने कहा कि जो कृषक उद्यमी उद्यम स्थापित करना चाह रहे है, उनके लिए सुनहरा अवसर है वे अपना उद्यम जैव उर्जा नीति के अन्तर्गत स्थापित कर अनुदान का लाभ उठा सकते है। उर्जा की स्थापना एवं भण्डारण हेतु निजी काश्तकारों से भूमि क्रय अथवा लीज के माध्यम से अर्जित किये जाने की दशा में देय स्टाम्प ड्यूटी की शत प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी।

करोड़ों खर्च के बाद भी स्वच्छ जल के लिए तरस रहे ग्रामीण

राम कुमार यादव
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
बस्ती- शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई नीर निर्मल परियोजना प्रशासनिक उदासीनता की भेंट चढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित इस परियोजना की कोई सुधि लेने वाला नहीं है। हर्रैया विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत केशवपुर के निपनिया गांव में एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर नीर निर्मल परियोजना के तहत पानी टंकी का निर्माण करवाया गया। जो निमार्ण कार्य पूरा होने के बाद दो -चार दिन सप्लाई चालू थी। इसके बाद लगभग तीन साल बीत जाने के बाद भी पानी का संचालन चालू नहीं हो सका। नीर निर्मल परियोजना के तहत चार गांव के लोगों को पेयजल की आपूर्ति कराने के लिए निपनिया गांव में चार साल पहले पाइप लाइन पेयजल परियोजना स्थापित की गई। वाटर हेड टैंक, ट्यूबवेल के साथ ही 10 किमी पाइप लाइन बिछाकर निपनिया गांव के साथ ही गोपालपुर, केशवपुर, राजाजोत को भी इससे जोड़ा गया। कुल लगभग पांच हजार ग्रामीणों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई। ट्रायल के दौरान पाइप लाइन में जगह-जगह लीकेज हो गया। इस वजह से सभी घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया। ग्रामीणों ने बताया जैसे तैसे परियोजना ग्राम पंचायत को हैंडओवर कर दी गई। लगा कि ग्राम पंचायत पेयजल आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को दूर कर लोगों के घरों तक टोंटी का पानी पहुंचाने में मदद करेगी, मगर ऐसा न हो सका। लगभग तीन सालों से पेयजल की आपूर्ति ठप है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत ब्लाक से लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों तक से की, मगर किसी ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण शिवपूजन, पिंटू, राजेश कुमार, दिलीप कुमार आदि ने बताया कि यदि पाइप लाइनें सहीं करा दी जाएं तो पेयजल आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इस संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजमणि चौधरी ने बताया कि वाटर सप्लाई की पाईप लाइन में जगह लीकेज है। जिसको सही करवाने के लिए हमने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भी दिया था। इसके बावजूद भी अभी तक किसी कर्मचारी या अधिकारी ने इसकी सुधि लेने नहीं आये।

चेक एवं प्रशस्ति पत्र पाकर खिल उठे छात्राओं के चेहरे

प्रेमचंद जायसवाल
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
श्रावस्ती- सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' के तहत वर्ष 2022 में हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की 22 मेधावी छात्राओं को टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने कलेक्ट्रेट स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी नेहा प्रकाश एवं मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह ने रुपये 5,000 हजार प्रति छात्रा को डेमो चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस दौरान हाईस्कूल की छात्रा क्रमशः प्रज्ञा, कामिनी मिश्रा, वर्तिका पाण्डेय, ओमन कुमार, तन्वी द्विवेदी, सौम्या गुप्ता, मुस्कान, आस्था सिंह, पिंका यादव, दीक्षा उपाध्याय व साक्षी गुप्ता तथा इण्टरमीडिएट की संगीता, प्रतिभा, शिप्रा पाठक, आयुषी मिश्रा, आस्था मिश्रा, रिचा पाठक, साक्षी वर्मा, प्रियंका तिवारी, शालीनी, श्रेयांशी सिंह व पल्लवी मिश्रा को चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरूस्कृत किया गया। हाईस्कूल में कामिनी मिश्रा एवं वर्तिका पाण्डेय एवं इण्टरमीडिएट में श्रेयांशी सिंह एवं पल्लवी मिश्रा के द्वारा बोर्ड परीक्षा में सामान्य अंक प्राप्त किये गये। इस प्रकार जनपद में हाईस्कूल के 11 व इण्टरमीडिएट के 11 छात्राओं को चेक एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया, जिसे पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। समाज के कुछ क्षेत्रो में होने वाले इस भेदभाव को दूर करने के लिए सरकार द्वारा समय समय पर इसके लिए जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इसी के तहत आज ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' योजनान्तर्गत चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। जिससे वे शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर आयाम प्राप्त कर सके। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी सुबोध कुमार सिंह, जिला विद्यायल निरीक्षक सन्त प्रकाश सहित मेधावी छात्राएं उपस्थित रही।

जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान ने नोघरा स्थित शहीद सुखदेव थापर जी की जन्मस्थली पर पहुंच कर उनको अपने श्रदासुमन अर्पित करके नमन किया

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना - भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान के नेतृत्व में भाजपा लुधियाना द्वारा शहीद भगत सिंह,शहीद राजगुरु,शहीद सुखदेव थापर जी के शहीदी दिवस पर जगरांव वाले पुल पर शहीद भगत सिंह,शहीद राजगुरु,शहीद सुखदेव थापर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भाजपा के महासचिव जीवन गुप्ता, मुख्य प्रवक्ता अनिल सरीन विशेष तौर से पहुंचे। शहीद भगत सिंह,शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव थापर जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा शहीदो तुहाडी सोच ते,पेहरा देवांगे ठोक के व भारत माता की जय के जयकारों लगाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री कांतेन्दु शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सुनील मौदगिल,हर्ष शर्मा, सुमन वर्मा, लकी शर्मा, मनीष चोपड़ा, जिला सचिव सतनाम सेठी,प्रेस सचिव डा.सतीश कुमार, सह प्रेस सचिव संजीव धीमान, मुख्य प्रवक्ता नीरज वर्मा, प्रवक्ता सुरिंदर कुमार, चन्दन गुप्ता,ऐडवोकेट रूबल सिंघी, संजीव चौधरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य विपन विनायक, मंडल प्रधान हिमांशु कालड़ा, एडवोकेट रूबल सिंघी,युवा मोर्चा के महामंत्री चेतन मल्होत्रा, साहिल दुग्गल, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विनीत बहल,अभय शर्मा नविन्दर गिल,अशोक चौहान, अंकुश जैन,सचिव यज्ञा दत्त शर्मा,राजेश राणा,रोहन नरूला, दीपक गुप्ता,युवा मोर्चा के मुख्य प्रवक्ता अर्जुन विनायक ,प्रिंस कौड़ा,विजय शर्मा,पुनीत कनोजिया आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु , सुखदेव के शहादत दिवस के संबंध में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना - जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) लुधियाना के जिला अध्यक्ष संजय तलवाड़ (पूर्व विधायक) के नेतृत्व में मुख्यालय टिब्बा रोड पर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु , सुखदेव के शहादत दिवस के संबंध में श्रदांजलि समारोह आयोजित किया गया।इस अवसर पर शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित करके उन्हें नमन किया गया। संजय तलवाड़ ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का दिन इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए अंकित हो गया।

आज पूरा भारतवर्ष इन महान शहीदों को श्रद्धांजलि देकर इस दिन को शहीदी दिवस के रूप में मनाते हैं, क्योंकि इन शहीदों ने इस दिन फांसी की रस्सी को चूमा और देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। भारत सरकार और पंजाब सरकार इन शहीदों के सपनो को साकार करने मे नाकाम नजर आ रही है।पंजाब में बेशक भगवंत मान ने खटकड़ कलां में मुख्यमंत्री के ओहदे की शपत लेकर और सरकारी कार्यालयो में शहीद भगत सिंह की तस्वीरे लगा कर शहीद भगत सिंह के सपने को पूरा करने का विश्वास पंजाब की जनता को दिया था, लेकिन जमीनी स्तर पर इस तरह के जनहितैषी फैसलोंऔर न्याय की कोई संभावना राज्य के लोगो को सरकार की तरफ से दिखाई नहीं दे रही है, नौकरीओ की मांग कर रहे बेरोज़गारो की लाठीओ से पिटाई की जा रही है कतल और खुदकुशियां बढ़ रही है नशा सरेआम बिक रहा है, गुंडा राज चल रहा है और विदेशी कंपनियां को पंजाब के लोग की लूट के लिए आमंत्रित किया जा रहा है।तात्पर्य यह है कि सरकार शहीद भगत सिंह के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है।आज पंजाब के लोग पंजाब के बिगड़ते हालात के कारण डर के माहौल में सांस लेने को विवश हैं। यह है देश और पंजाब की जनता की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह शहीदे आजम भगत सिंह , राजगुरु, सुखदेव के वास्तविक स्वतंत्रता के सपने को साकार करने के लिए देशद्रोही और समाज विरोधी ताकतों का डटकर मुकाबला करें और आपसी भाईचारे को मजबूत कर देश को तरक्की की ओर ले जाने में अपना योगदान दें, क्योंकि देश के नागरिको के योगदान के बिना शहीदो के सपनो साकार मुश्किल होगा इस श्रदांजलि समारोह मे बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उनके सम्मान में फूल अर्पित करके श्रदांजलि दी।

सीटी यूनिवर्सिटी ने भगत सिंह की याद में लगाया रक्तदान शिविर

सत पाल सोनी
दैनिक क्यूँ न लिखूं सच
लुधियाना - भगत सिंह की याद में छात्र कल्याण विभाग ने हिंदुस्तान वेलफेयर ब्लड डोनर्स क्लब (रजि.) के सहयोग से सिविल अस्पताल जालंधर के मार्गदर्शन और देखरेख में %रक्तदान शिविर% का आयोजन किया। क्रांति कला मंच मोगा ने नशे के संकट और युवाओं पर भगत सिंह के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए नुक्कड़ नाटक पेश किया। भगत सिंह के क्रांतिकारी जज्बे को याद करते हुए सीटी यूनिवर्सिटी का अमला भी बसंती रंग की पगड़ी के साथ क्रांतिकारी रंग में नजर आया। इस संबंध में सीटी यूनिवर्सिटी के प्रो चांसलर डॉ. मनबीर सिंह ने कहा कि बसंती पगड़ी न केवल भगत सिंह के क्रांतिकारी आदर्शों का प्रतीक है, बल्कि राज्य के लोगों की आशा और उत्साह का भी प्रतिनिधित्व करती है जो पंजाब को समृद्ध देखना चाहते हैं। रक्तदान शिविर के दौरान 100 से अधिक छात्र-छात्राओं व फैकल्टी सदस्यों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। हिंदुस्तान वेलफेयर ब्लड डोनर्स क्लब (रजि.) और सिविल अस्पताल जालंधर के डॉक्टरों और तकनीशियनों की 8 सदस्यीय टीम ने शिविर में प्रभावी योगदान दिया और छात्रों को समाज के हित में रक्तदान की सुरक्षा और महत्व के बारे में सलाह दी। रक्तदान करने के बाद छात्र कल्याण विभाग के उप निदेशक दविंदर सिंह ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान से हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने छात्रों को आगे आने और दूसरों की जान बचाने के लिए रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह ने कहा कि छात्रों के बीच सामाजिक संवेदनाओं को विकसित करने और देश के युवाओं को रक्तदान की तीव्र आवश्यकता के प्रति संवेदनशील बनाने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। इस मौके पर सीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी, प्रो. चांसलर डॉ. मनबीर सिंह,वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह, वाइस चांसलर डॉ. सतीश कुमार, रजिस्ट्रार सर्बप्रीत सिंह, छात्र कल्याण विभाग के उप निदेशक दविंदर सिंह सहित अन्य फैकल्टी सदस्य, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

Rohit's big statement about workload, rest in World Cup and IPL, said this on Suryakumar's golden duck

From Jasprit Bumrah to Shreyas Iyer, the players in the Indian team are on the rise. Despite this, Rohit said that it is the responsibility of the IPL franchise owners and the players themselves to manage the workload before the ODI World Cup to be held in October-November. The ODI World Cup is to be played in India in October-November this year. All the teams have started preparing for it. Before the IPL, India played an ODI series against Australia, in which Team India had to face a 2-1 defeat. In the recent past, India has suffered a lot due to injuries to its players. In such a situation, for the World Cup should take rest from for international matches. However, Indian Captain Rohit does not think that any workload. The world's biggest T20 league injured players in the Indian team has the number of injured players in the Indian onus is on the IPL franchise owners and ahead of the ODI World Cup in October- the third ODI against Australia by 21 runs We are missing players who are actually preparations for WTC final Rohit said – take care of his body and if he feels that it take a break for a game or two in the IPL. After this Rohit became silent. After the have to play the final of the World Test India will get less than a week to prepare franchisee- Rohit said that the Indian team owners about the workload management tournament. Rohit said- It all depends on

many former cricketers say that the players fixed tournaments like IPL, so that they can remain fresh captain Rohit has given contrary statements. player will stay away from IPL to manage the is going to start from 31 March. The number of increased - From Jasprit Bumrah to Shreyas Iyer, team is increasing. Despite this, Rohit said that the the players themselves to manage the workload November. Rohit also lost the series 2-1 after losing on Wednesday. He said – this is a matter of concern. playing-11 players. India will get less time for all the players have a lot of experience. So he has to is not happening, he can always talk about it and However, I doubt (if) that this will happen but…. IPL, which ends on May 28, the Indian players also Championship at The Oval from June 7. Team for this. Workload management hints to the management has given 'hints' to the IPL franchise of the players keeping in mind the 50-over the franchisee now. Franchises now pick them (players), so we have given some pointers to the teams. However, the final call rests with the franchise and most importantly, the players have to take care of their bodies. What did Rohit say about the injury of the players Bumrah could not play in the entire series between India-Australia, while Iyer suffered a back injury during the fourth and final Test in Ahmedabad. He did not play in the subsequent three ODIs. Rohit said- To be honest, everyone is trying their best to give everyone a chance. We are paying a lot of attention to player management, so we will have to rest some players at certain times. Rohit said- From our side we are trying our best, but I am not an expert to tell you why injuries are coming again and again. Our medical team is looking after all of them and making sure that we have our best 15 players ready for the World Cup. Shreyas Iyer has already struggled with a back injury in December. After this, he missed the ODI series against New Zealand at home and the opening Test against Australia. Rohit said- Obviously when you play so much cricket, injuries are bound to happen. So don't focus too much on what is available with you. You see what's in your hands, you can control that and we're just trying to control all of that. Injured players are also disappointed. They want to play, they don't want to miss. So it's a bit sad, but there's really nothing you can do. What did Rohit say on Shreyas's injury Rohit said that the medical team is doing everything possible for the good health of the players. I can see and I can confirm that the people working behind the scenes are working really hard with all these players. Injuries can happen anytime, Shreyas (Iyer) is the best example. He sat all day and as soon as he went to practice, he got hurt. Nothing you can do about it, the only thing we can keep in mind is managing the players and giving them enough breaks. Rohit's statement on Suryakumar's bad formIndia captain Rohit Sharma accepted that Suryakumar is going through a bad phase, but he also supported Surya. Rohit said- He played only three balls in three matches in this series. I don't know how much to care about this. To be honest, he played three good balls. He knows what he has to do. He plays spin very well. We've seen over the years. So we kept him in the team in the third ODI and gave him a role for the last 15-20 overs where he could play his game, but that didn't happen. It can happen to anyone.

The wicket on which he grew up playing, had to play well there', Rohit gave class to Indian batsmen

This is the first defeat for Team India after winning 26 home series in all three formats of cricket. Mitchell Marsh, who scored 194 runs in all three ODIs, became the man of the series. At the same time, Adam Zampa was given the ODI. India got defeated by 21 runs in the defeat, Team India also lost the ODI series very angry after the defeat. In the post fiercely. He attributed the defeat to the India's defeat has raised questions on the in India this year. What did Rohit Sharma match – I don't think 269 runs were too challenging in the second session. We on these wickets, yet the batsmen got out what they learned from childhood. After a to take the game till the end, but it did not January, but there have been many where we need to improve. It is a collective series. The Australian team should be spinners and fast bowlers also created Smith- At the same time, Australian tour. We fought tremendously after the brilliantly and took us to 270, otherwise we It has been a wonderful tour. We didn't This wicket was completely different. Our This is the first defeat for Team India after

Player of the Match award in the third third ODI against Australia. With this by 2-1. Captain Rohit Sharma looked match show, he reprimanded the batsmen incomprehensibility of the batsmen. Team preparations for the World Cup to be held say after the defeat- Rohit said after the many runs. The wicket got a bit more batted badly. We have grown up playing like this. The batsmen needed to apply good start, it was important for a batsman happen. We have played nine ODIs since positives in it. We need to understand failure and we can learn a lot from this given credit for the win. Both their pressure. The lower order reached 270 – captain Steve Smith said – It was a great Delhi Test. The lower order batted were not looking to reach 220 at one stage. play our best cricket but could get the win. spinners bowled really well, really well. winning 26 home series in all three formats of cricket. Mitchell Marsh, who scored 194 runs in all three ODIs, became the man of the series. While Adam Zampa was given the Player of the Match award in the third ODI. Australia made a record by defeating India. Australia broke Team India's domestic supremacy in ODI cricket for the last four years. In the third and deciding ODI, the Australian team

After all, why did Rahul Dravid refuse to work with the veteran spinner, big disclosure on Twitter

Former India spin bowler Laxman Sivaramakrishnan has made a big disclosure about Team India's head coach Rahul Dravid. Laxman has said that he had expressed his desire to work with Dravid for Team India, but the current head offer. Kuldeep did not bowl according to the defeat in the third ODI, a fan tweeted, "I got the Yadav did not bowl according to the decorated was bowling Smith had laid a lot of attacking field. when Ashton Agar was bowling, the fielding fan also tagged Laxman Sivaramakrishnan in his such situations you need an expert. He wrote, "I to Rahul Dravid and he said I was too senior a him."In the third ODI, the pair of Adam Zampa combined to dismiss six Indian batsmen. Which Kohli, Rahul and Hardik Pandya. Indian batsmen third ODI – the Indian team suffered a 21-run Australia in the third ODI. Chasing the target of batting order collapsed badly and the entire team Only Virat Kohli could stand against the kangaroo Kohli played a brilliant inning of 54 runs, but as soon as he was dismissed Indian batsmen took the path of Tu Chal Main Aaya.

coach turned down his fielding - In fact, after the feeling that Kuldeep fielding. When Jampa Along with this, even setting was perfect. The tweet and said that in had offered my service player to work under and Ashton Agar included big names like flopped badly in the defeat at the hands of 270 runs The Indian collapsed for 248 runs. bowlers from India.

Smriti Irani danced fiercely on 'Roop Tera Mastana', fans remembered 'Tulsi' after watching the video

Smriti Irani, who made her acting debut with 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi', is celebrating her 47th birthday today. When this cultured daughter-in-law of the small screen stepped into politics, she left her mark there too. He handled the Ministry of Human Resource Development very well and also took many important decisions as Textile Minister. Started from Delhi- On March 23, 1976, Smriti was born in Delhi. He studied at Holy Child Augilium School till Class 12 and earned a correspondence degree from the School of Open Learning, University of Delhi. The desire to do something brought him to Mumbai. First participated in Miss India and became the first runner up. After this he did not look back. Then she appeared in 'Hum Hain Kal Aaj Aur Kal', 'Kavita'. Beat Rahul Gandhi in 2019- Smriti Irani got recognition when she appeared in Ekta Kapoor's serial 'Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi'. Due to this serial, he came to be known as 'Tulsi' in every household. In the year 2003, Smriti Irani joined the Bharatiya Janata Party and on the strength of her hard work and dedication, defeated Rahul Gandhi from Amethi in the year 2019. Dance fiercely on Roop Tera Mastana- A video is going viral on social media these days, In which Smriti Irani is seen dancing. Smriti Irani, who was watching the Ministry of Women and Child Development during a women empowerment event in Delhi, was seen dancing to the remix version of the 60s chartbuster. She was showing off her moves on Roop Tera Mastana. Dance video went viral- Smriti Irani also shared these pictures on her social media page. In the caption, he wrote- To all the sassy mothers-in-law and daughters-in-law, Shraddha and I say 'Aiyo'. Shraddha Jain was also seen with him in these pictures.

Friendship, love and breakup, Virushka's journey till marriage was not easy, know how God made them a couple

It is said that God sends couples after making them, we only follow them. There is a very famous saying that couples are made in heaven, but they have to be maintained on earth. Often you must have seen people struggling for marriage. Some arrange marriage and some love marriage. If someone's love becomes complete, then someone keeps on yearning for it throughout his life. What happens is what God has written in the destiny, because it is He who makes the pairings. Whoever God writes in his fate, he gets it no matter how he does it. This thing is applicable not only to common man but also to big personalities. Because they are also human like us. There were many celebrities in this world whose echo of love was heard in every street. And facing all the difficulties, they achieved their love and forced people to say that their pair was made by God himself. Among these, the names of Virat Kohli and Bollywood actress Anushka Sharma, who are among the world's famous cricketers, are also included. Today, through this article, we will talk about the journey of Virat and Anushka to become Virushka, know how the love story of both of them started and when, where and how their first meeting happened… Virushka's path was not easy- Virat Kohli and Anushka are considered to be the hot and happening couple today. Both are living a happy life. More than five years have passed since their marriage. However, it has been very difficult for them to take their relationship to the end. First friendship, then love and breakup, it was not easy for them to take their relationship to marriage, both had to make a lot of papad. There is a famous song in

Bollywood... 'Hum lakh chhidiye pyaar magar, distance from each other in front of the media, both are not hidden. And everyone's eyes were fixed of this world. There came a time when both The love story of Virat and Anushka is quite to Virat. But when the series of meetings Virat for her. Anushka came to know that Anushka straight from the airport to her that time. A time came when the news of both avoiding the fact at every turn that they are Anushka for the first time, he was nervous. Anushka for the first time. In fact, both of Then Kohli had made a different identity for herself in Bollywood on the basis of her He told that to reduce his nervousness, I that joke spoiled it further. Actually Virat jokingly said that you don't think said on hearing this, excuse me. Due to then somehow Kohli handled the matter friends.When Virat openly expressed his love- also went to Melbourne to see Virat Kohli scored a century, after completing his century, stadium. This was the first time when Virat closeness between the two started increasing. love was sealed in the cricket field. But even after of the media. Anushka was staying in the same After this, Kohli was also seen dropping Anushka in love, Virushka roamed the streets of New between the two were gaining momentum at that also trying to hide their love from the eyes of the this, people used to come to know about their 2014, both of them were seen walking hand in hand couple. At that time the Indian cricket team was on a under attack from Virat's fans. It is about the year of England, then Anushka also came to support the through bad form during that time. Virat did not series. After this Virat and Anushka had to face the under the target of the people. Anushka was held while supporting Anushka, Virat had given a befitting criticized the critics a lot by writing 'Shame' on social both of them started echoing in the media world - in the Anushka's breakup gained momentum. Virat Kohli in the caption - 'Heart Broken'. After a while, he deleted again. With this, Kohli also apologized to the people. During each other on Twitter and Instagram and not being seen have broken up. The news of their breakup started buzzing Virat and Anushka's breakup came to an end when both film actress Hazel Keech and former cricketer Yuvraj which his fans breathed a sigh of relief. The news of that both of them had a bang dance in marriage. 2017 came the news for which their fans were eagerly married, promising to walk together holding hands destination wedding in Tuscany, Italy. Many of exchanged vows in front of select friends and the rest of their lives. Their daughter Vamika happy with the daughter coming into their one thing comes out of the mouth of their fans,

duniya ko pata chal jayega'. Something similar happened with Virat and Anushka. Both kept refrained from bringing each other's name on their lips. But they say that love and smile on these two. For how long would both of them keep their love hidden from the prying eyes openly accepted that they were in a relationship. Anushka had shown Attitude to Virat- interesting and filmy. It is said that in the first meeting, Anushka had shown a lot of attitude between the two increased, Anushka came to know that she was made for Virat and Virat is a very different person. Anushka being in the cricket stadium, Virat dropping home, these were all the things which were hinting people to be in their relationship at of them being in a relationship started buzzing in the media world. But both were seen dating each other. In the first meeting, nervous Kohli made a dirty joke-•When Kohli met He himself confessed this during an interview. It is about 2013 when Virat Kohli met them had their first meeting during the shooting of a TV ad for the shampoo brand. in the Indian cricket team. Along with this, Anushka had also made a name strong acting. Virat was very nervous during the first meeting. made a joke. But instead of correcting the atmosphere, Anushka Sharma was looking taller than Virat, then these hills are tall enough. What was it then, Anushka Kohli's joke, things started deteriorating there, but and after that both of them became good As the matter progressed, in the year 2014, Anushka playing cricket. During the match here, when Kohli Virat gave a flying kiss to Anushka present in the openly expressed his love. After this match, the Earlier there were rumors of their love but their this, both kept avoiding the eyes and questions hotel where the Indian cricket team stayed. to her house in Mumbai in his car.Drenched Zealand hand in hand- Rumors of an affair time. Deep in love, Anushka and Virat were world. Both used to meet secretly. Despite meeting from somewhere. In February in the streets of New Zealand like a loving tour of New Zealand. Anushka had come 2014, when the Indian team went on a tour Indian cricket team. Virat Kohli was going succeed in doing anything special in this anger of the people. Anushka had come responsible for Virat's poor form. However, reply to these critics many times. He had media. When the news of the breakup of beginning of 2016, the news of Virat and shared a photo on social media and wrote this photo and posted the same picture that time, Virat and Anushka's unfollowing together was indicating that both of them in the media world then. But the news of were seen hand in hand at the wedding of Singh. Whose video also went viral. Seeing patchup of both made noise again. It is said Virushka's Rab Ne Bana Di Jodi - Then in waiting. On 11 December 2017, they got for the rest of their lives. Both had a secret whose pictures were also revealed. The two had relatives and vowed to be with each other for was born on 11 January 2021. Both are very lives. Whenever the two are seen together, only 'It is called Asli Rab Ne Bana Di Jodi'.